



प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

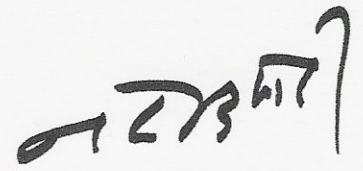
मुंबई समायार द्वारा 'मातृभाषा भागवत सप्ताह'नुं अनोभुं आयोजन थछ रह्युं छे ते प्रसन्नतानो अवसर छे.

आजथी बस्सो वरस पहेलां मातृभाषानुं महत्व समजु शरु थयेला आ अैतिहासिक अभुबारे वायकोनी अनेक पेढीओ द्वारा समाज अने देश घडतर माटे महत्वनी भूमिका भजवी छे. कोईपण सभ्य समाजना घडतरमां मातृभाषा यावीरुप भूमिका भजवे छे.

भागवत कथा भक्तियोगनुं महात्म्य समजवतो पवित्र वेदांत ग्रंथ छे. विविध भाषाओमां बाणकृष्णनी लीलाओनुं रसाण वर्णन उत्कट स्नेह, वात्सल्य, शृंगार अने हास्य-कडुणाना चित्रण श्रोताने आगवा भावजगतमां लछ जाय छे, भाषानी आ यमत्कृति छे. भागवत सप्ताहना आयोजनमां आ पवित्र ग्रंथना तत्वज्ञाननी साथे साथे भारतीय भाषाओनुं महात्म्य अने भाषाने समृद्ध बनावनार साहित्यकारोना जिवन अने कवन दर्शनने सामेल करवानो नवतर विचार घणो प्रशंसनीय छे.

धार्मिक पारायण समाज माटे अेक पाठशाणानी भूमिका भजवती होय छे. भाषा, अध्यात्म अने संस्कारनुं आ पारायण समाजमां धार्मिक अने सामाजिक येतनानुं निमित्त बनी रहेशे अेवो मने विश्वास छे. व्यासपीठ पर बिराजमान पूज्य भाईने मारा प्रणाम.

समग्र कथा आयोजनने शुभकामना.


(नरेन्द्र मोदी)